जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

शुभ धनतेरस

● वर्ष- 20 अंक-275 ● जबलपुर ● शुक्रवार, 6 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 12 ● विक्रम संवत् 2083

झारखंड में बेकाबू ट्रेलर का तांडव

9 लोगों को रौंदा, 7 की मौत



खूंटी, एजेंसी। *झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई, जबकि दूसरे परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।*

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्रा की कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसा था। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ लोग झाड़ियों में फंसे युवक को निकालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी उर्फ जवंती, बेटी अंजली कुमारी और एक साल के नाती की मौत हो गई। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल खूंटी में इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरे परिवार के राजेश की मां कर्मी लोहराइन, पत्नी फगन संगा और बेटियां सुभानी व सोनी कुमारी की भी हादसे में जान चली गई। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी के लिए गुजरात गए थे। उन्हें हादसे की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर चालक और खलासी की तलाश की जा रही है।

कुदरत का कहर, मौसम की मार

ओडिशा में भूस्खलन से 7 की मौत, 6 लापता यूपी के 20 शहरों में घना कोहरा, 5 ट्रेनें रद्द



नई दिल्ली। यशभारत। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। कहीं चक्रवात के बाद भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित है, तो कहीं कोहरे और गिरते तापमान ने सर्दी का अहसास बढ़ा दिया है। ओडिशा के गंजाम जिले में चक्रवात अर्नब के बाद हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के 20 शहरों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। दूसरी ओर तमिलनाडु के 10 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है।*

ओडिशा के गंजाम जिले के पहाड़ी गांव में गुरुवार को भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। इससे पहले दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी थी। हादसे में अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है, जबकि छह लोग लापता बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग 28 अक्टूबर को आए चक्रवात अर्नब के बाद पहाड़ी क्षेत्र में हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। लगातार मलबा हटाने और लापता लोगों की तलाश का काम जारी है। उत्तर प्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड का असर बढ़ने लगा है। शुक्रवार सुबह राजधानी लखनऊ के अलावा बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती, संभल समेत करीब 20 शहरों में कोहरे की चादर छाई रही। श्रावस्ती में दृश्यता घटकर 10 मीटर से भी कम रह गई, जबकि कई अन्य इलाकों में भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के चलते रेल परिचालन पर भी असर पड़ा है। मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द करने का फैसला लिया गया है। राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। हरदोई में रात सबसे ठंडी रही। तमिलनाडु में इसके उलट बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई समेत 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक 6 नवंबर की रात एक बजे तक इन जिलों के कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। तिरुवरूर में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई। कई इलाकों में सड़कों पर करीब एक फीट तक पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। मध्य प्रदेश में भी रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में न्यूनतम तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। कई स्थानों पर पारा 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। भोपाल और इंदौर में रात की ठंड बढ़ने लगी है। मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार से तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

बेंगलुरू में खौफनाक सामूहिक हत्याकांड

कैब ड्राइवर ने पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों को सिलबट्टे से मार डाला

दो दिन में एक-एक कर सात हत्याओं को दिया अंजाम, शव अलग-अलग जगह ठिकाने लगाने का आरोप



बेंगलूरू, एजेंसी। *कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है। यहां 45 वर्षीय कैब ड्राइवर शेखर उर्फ इंदुशेखर पर अपनी पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर वैवाहिक विवाद और पत्नी के मायके पक्ष की दखलंदाजी से नाराज होकर इस खौफनाक वारदात की साजिश रची। आरोप है कि उसने दो दिनों के भीतर राजाजीनगर स्थित अपने घर में एक-एक कर सात लोगों को बुलाया और सिलबट्टे के पत्थर से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद कुछ शवों को अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।*

पुलिस के मुताबिक, इस सामूहिक हत्याकांड में आरोपी की पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, परिवार की बहुएं दिव्या और नलिनी तथा सात वर्षीय पुनीत की मौत हुई है। एक मासूम बच्चे की भी हत्या किए जाने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पुनीत का शव चिक्कबल्लापुर जिले में नंदी हिल्स के पास बरामद किया गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने वारदात के बाद सबूत मिटाने और शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश की। जांच में सामने आया है कि शेखर और सुनीता की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, सुनीता के परिवार के लोग हस्तक्षेप करते थे और उसका पक्ष लेते थे। पुलिस को संदेह है कि शेखर इसी बात को लेकर नाराज था और उसे लगता था कि पत्नी के मायके वाले उसकी पारिवारिक जिंदगी में दखल दे रहे हैं। इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। हालांकि, हत्याओं के पीछे की वास्तविक वजह और साजिश की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने अपने सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी देने के बहाने घर बुलाया था। आरोप है कि घर पहुंचने के बाद उसने दोनों की हत्या कर दी। इसी तरह सास रूपावती और परिवार की अन्य महिलाओं को भी अलग-अलग समय पर निशाना बनाया गया। जांचकर्ताओं को संदेह है कि आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी सुनीता की हत्या की और इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों की जान ली। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सातों हत्याएं किस क्रम में और कितने समय के अंतराल में की गईं। इस खौफनाक वारदात का खुलासा परिवार की सदस्य नलिनी के लापता होने की शिकायत के बाद हुआ। काफी समय तक नलिनी का कोई पता नहीं चलने पर उसकी मां ने श्रीरामपुरा पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो शेखर पर संदेह गहराने लगा। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान पुलिस को कथित तौर पर परिवार के कई सदस्यों की हत्या में उसकी भूमिका के सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच का दायरा बढ़ाया और सात लोगों की हत्या का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस शवों की बरामदगी, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आरोपी के बयानों का मिलान कर रही है।

उमर सरकार पर संकट के बादल, 25 विधायकों ने दिया इस्तीफे का अल्टीमेटम

मांगें पूरी नहीं हुईं तो आज इस्तीफा दे सकते हैं बागी विधायक



श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार पर संकट गहराता जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 नाराज विधायकों ने अपनी मांगें पूरी करने के लिए पार्टी नेतृत्व को अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनी तो वे सामूहिक रूप से इस्तीफा दे सकते हैं। इस घटनाक्रम से उमर सरकार के सामने बहुमत बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। शुक्रवार को श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की नाराज विधायकों के साथ अहम बैठक प्रस्तावित है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में समाधान नहीं निकलने की स्थिति में विधायक शुक्रवार को ही इस्तीफे का कदम उठा सकते हैं। नाराज विधायकों की प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना अथवा उन्हें पद से हटाना और सरकार से जुड़े लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है। विधायकों का कहना है कि सरकार और संगठन में उनकी मांगों तथा शिकायतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। इन मांगों को लेकर विधायकों ने 30 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच पांच गोपनीय बैठकें भी कीं। इन बैठकों में आगे की रणनीति और पार्टी नेतृत्व से बातचीत के विकल्पों पर विचार किया गया। इस बीच पार्टी को एक और बड़ा झटका श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी के इस्तीफे से लगा है। उन्होंने मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ने की घोषणा की थी। अपने फैसले को आजादी का निर्णय बताते हुए उन्होंने कहा था कि वे एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा अब नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हैं। गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद उनकी सांसद सदस्यता भी समाप्त हो गई।

कैबिनेट विस्तार के बाद बढ़ी नाराजगी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर असंतोष की एक बड़ी वजह 27 अक्टूबर को हुआ कैबिनेट विस्तार भी माना जा रहा है। इस दौरान पार्टी के चार विधायकों अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू को मंत्री बनाया गया था। वहीं निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। विस्तार में कई वरिष्ठ विधायकों को जगह नहीं मिली, जिनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल के नाम प्रमुख हैं। हालांकि बाद में मुबारक गुल को अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया गया। इसके बावजूद पार्टी के भीतर असंतोष पूरी तरह शांत नहीं हुआ।

ईगल बैटरी



सोलर इनवर्टर बैटरी

लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक

मो.न. 9200792000



Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity Save Wiring 2 year warranty*
Made In India



Inviting Distributers And Dealers
7880024499, 7880024466

विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, साईट टाइन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

धनतेरस पर सोने की चमक फीकी

22 फीसदी टूटे दाम चांदी में भी 56 प्रतिशत की गिरावट



नई दिल्ली,यशभारत। धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर सर्राफा बाजार में खास उत्साह रहता है। भारतीय परिवारों में इस दिन कीमती धातुओं की खरीदारी को समृद्धि और मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। हालांकि धनतेरस 2026 पर बाजार की तस्वीर कुछ अलग है। पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज कराने वाले सोने और चांदी की कीमतों में इस साल बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2026 में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचने के बाद सोना 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह चांदी भी अपने जनवरी के उच्चतम स्तर से 56 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ गई है। कीमतों में आई इस गिरावट ने उन खरीदारों और निवेशकों को राहत दी है, जो ऊंचे दामों के कारण अब तक खरीदारी से दूरी बनाए हुए थे।धनतेरस 2021 से धनतेरस 2026 के बीच सोने की कीमतों में करीब 192 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तेज उछाल के बाद आई गिरावट ने बाजार में निवेश की रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सवाल यह है कि मौजूदा कीमतों पर सोना खरीदना कितना फायदेमंद है और निवेश के लिए आभूषण, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में से कौन-सा विकल्प बेहतर साबित हो सकता है।धनतेरस के कारोबारी दिन सुबह बाजार खुलने के साथ ही कीमती धातुओं में नरमी का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,820 रुपये यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। वहीं चांदी की कीमत में 2,680 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 1,84,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

अब घंटों का सफर होगा आसान, एमपी में बिछेगा 1,398 कि.मी. का एक्सप्रेस-वे जाल



5 नए कॉरिडोर से इन 10 शहरों को मिलेगा फायदा

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार 63,296 करोड़ रुपये की लागत से 1,398 किलोमीटर लंबे पांच नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित करने जा रही है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच आवागमन तेज और सुगम होगा। भोपाल से मंदसौर, भोपाल से ग्वालियर, सागर से सतना, जबलपुर से आशापुर और कटनी से सिंगरौली तक बनने वाले ये कॉरिडोर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ेंगे। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और प्रस्तावित कॉरिडोर की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं और सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर को बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है।

चार लेन के होंगे सभी पांच कॉरिडोर

बैठक में इन पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित सभी मार्ग चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर होंगे। इनमें पेव्ड शोल्डर की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे तेज रफ्तार यातायात के साथ सड़क सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में भोपाल-मंदसौर कॉरिडोर की लंबाई 258 किलोमीटर, सागर-सतना की 227 किलोमीटर, जबलपुर-आशापुर की 358 किलोमीटर, भोपाल-ग्वालियर की 320 किलोमीटर और कटनी-सिंगरौली कॉरिडोर की लंबाई 235 किलोमीटर प्रस्तावित है। इस तरह कुल 1,398 किलोमीटर का नया सड़क नेटवर्क तैयार होगा।

भारत ने किया प्रलय क्रूज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, इसकी खूबी दुश्मन को करेगी परेशान



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय नामक क्रूज़-बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को सुबह लगभग 11.10 बजे इस बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज द्वारा तैनात विभिन्न उपकरणों से मिले डेटा से पुष्टि हुई है कि परीक्षण के सभी लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। इस मिसाइल को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) और DRDO ने स्वदेशी तकनीक से विकसित किया है। इसके विकास और उत्पादन में साझेदार रही भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने इस सिस्टम का निर्माण किया है। यह उड़ान परीक्षण प्यूज़र इवैल्यूएशन ट्रायल्ज (उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षण) के हिस्से के रूप में किया गया, जिसमें DRDO के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और रक्षा बलों के सदस्य मौजूद थे। इस सफल परीक्षण के बाद अब इस सिस्टम को सेना में शामिल किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए DRDO और सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों से लैस यह मिसाइल, उभरते खतरों के खिलाफ सेना की तकनीकी क्षमताओं और परिचालन तैयारियों को और मजबूत करेगी।

तीन पड़ोसी देशों के छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए भारत में अब वीजा अनिवार्य, पहले मिली थी छूट



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी नियमों में बदलाव किया है। अब इन देशों से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने के लिए उचित श्रेणी का वीजा लेना अनिवार्य होगा। पहले इन्हें पासपोर्ट और वीजा की शर्तों से छूट दी गई थी।केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए थे। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके पास भारत आने के समय वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे या जिनके दस्तावेज बाद में समाप्त हो गए। सितंबर 2025 में जारी आदेश के तहत इन छह समुदायों को पासपोर्ट और वीजा संबंधी शर्तों से राहत दी गई थी। नए आदेश के बाद भारत में उनके प्रवास के लिए निर्धारित श्रेणी का वीजा जरूरी होगा।

सीएए के अनुरूप किए गए नियम

गृह मंत्रालय ने नए बदलावों के जरिए आव्रजन नियमों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), 2019 के प्रावधानों के अनुरूप बनाने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच आवाजाही के नियमों को भी सख्त किया है। अब भारत से नेपाल या भूटान जाने वाले और वहां से भारत आने वाले नागरिकों को सरकार के निर्धारित वीजा मैनुअल के अनुसार मान्य पहचान दस्तावेज दिखाने होंगे।नए प्रावधानों के तहत यदि कोई भारतीय नागरिक नेपाल या भूटान के रास्ते किसी तीसरे देश की यात्रा करता है, तो उसके पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा। उसे निर्धारित आव्रजन चेकपॉइंट से ही आवागमन करना होगा। इसी तरह नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी यदि वे भारत, नेपाल और भूटान के अलावा किसी अन्य देश की यात्रा कर रहे हैं अथवा चीन, पाकिस्तान, हांगकांग या मकाऊ के रास्ते भारत आ रहे हैं, तो वैध पासपोर्ट और वीजा प्रस्तुत करना होगा।

मेडिकल डिवाइस से गंभीर नुकसान के मामले तीन गुना बढ़े, 2025 में 2,176 घटनाएं दर्ज



नई दिल्ली, यशभारत। *देश में मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से मरीजों को होने वाले गंभीर नुकसान के मामलों में पिछले छह वर्षों में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 में ऐसे 808 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर 2,176 हो गए। वर्ष 2020 से अब तक कुल 9,373 गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। इन आंकड़ों का पहली बार सूचना का अधिकार (आरटीआई) के जरिए खुलासा हुआ है।*

एक अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश के बाद इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (आईपीसी) ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। केंद्रीय सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने 10 सितंबर को आदेश जारी कर गंभीर घटनाओं का ब्योरा देने के निर्देश दिए थे। गंभीर घटनाओं में मरीज की जान को खतरा, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने या स्थायी शारीरिक नुकसान जैसी स्थितियां शामिल हैं। आईपीसी देशभर के 775 निगरानी केंद्रों से मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की जानकारी जुटाता है। इसके बावजूद शिकायतों और नियामकीय कार्रवाई के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 14,584 घटनाएं दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से केवल 22 मामले आगे की कार्रवाई के लिए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को भेजे गए।

धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद
कुबेर और धनवंतरि की होगी आराधना

सजे बाजार, जगमगाए शोरूम , छह दिन तक चलेगा दीपोत्सव

जबलपुर,यश भारत।

इस बार दीपोत्सव पांच नहीं, बल्कि छह दिनों तक मनाया जाएगा। दो अमावस्या पड़ने के कारण पर्व की अवधि बढ़ गई है। शुक्रवार 6 नवंबर को धनतेरस के साथ दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। पर्व को लेकर शहर के बाजार सजकर तैयार हैं। सराफा बाजार से लेकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और वाहन शोरूम तक आकर्षक सजावट की गई है। धनतेरस पर शुभ खरीदारी के लिए बाजारों में दिनभर चहल-पहल रहने की उम्मीद है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान धनवंतरि, धन के देवता कुबेर और यमराज की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी



वजह से इस दिन नए बर्तन खरीदने की परंपरा चली आ रही है। लोग नए बर्तनों में पकवान रखकर भगवान धनवंतरि को भोग अर्पित करते हैं।

सोना-चांदी और बर्तनों की खरीदारी का विशेष महत्व

धनतेरस पर सोना, चांदी और बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन, कपड़े और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी भी की जाती है। पर्व को देखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों और शोरूमों को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है। दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और ऑफर भी रखे हैं। सराफा बाजार और कोतवाली क्षेत्र में विशेष रौनक देखने को मिल रही है।



घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाएगा यम दीप

धनतेरस पर अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना के साथ यमराज की पूजा का भी विधान है। धार्मिक परंपरा के अनुसार शाम को घर के मुख्य द्वार पर यमराज के नाम से दीपक जलाया जाता है। महिलाएं दीपक में चार बत्तियां जलाकर जल, रोली, चावल और गुड़ सहित अन्य पूजन सामग्री से पूजा करती हैं। मान्यता है कि इससे परिवार पर यमराज की कृपा बनी रहती है। धनतेरस के साथ शुरू होने वाला छह दिवसीय दीपोत्सव अब घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल लेकर आएगा। लक्ष्मी पूजन, दीपदान और खरीदारी के साथ अगले छह दिनों तक शहर रोशनी और उल्लास में डूबा रहेगा।

युवती के प्यार में बना हत्यारा, भाई के साथ मिलकर दो जिंदगियों को कार से कुचला



बेलखेड़ा दोहरी मौत मामले में प्रेम प्रसंग का खुलासा, नाबालिग अभिरक्षा में और भाई फरार

यश भारत फॉलोअप

जबलपुर,यश भारत। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर कार से कुचलकर युवक और युवती की मौत के मामले में पुलिस जांच में प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग जागृति महलोनिया से प्रेम करता था। इसी बीच जागृति की प्रशांत लोधी से बातचीत होने लगी, जिससे नाराज होकर नाबालिग ने अपने भाई अनिल सिंह के साथ मिलकर दोनों को कार से कुचलने की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया है, जबकि उसका भाई फरार है। पुलिस के अनुसार, ग्राम उड़ना निवासी 19 वर्षीय प्रशांत लोधी अपने दोस्त हेमराज के साथ मोटरसाइकिल से बेलखेड़ा पहुंचा था। शाम करीब चार बजे वह ग्राम गुबराकला निवासी जागृति महलोनिया के साथ सड़क किनारे खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कार ने दोनों को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जांच में पुलिस को पता चला कि जागृति से नाबालिग का प्रेम प्रसंग था और प्रशांत से उसकी बातचीत को लेकर वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने अपने भाई के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई। एडिशनल एसपी अनु बेनीवाल के अनुसार, पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है और फरार अनिल सिंह की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर, यश भारत। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और तिलवारा व गोहलपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 14.44 ग्राम स्मैक, 17 हजार 600 रुपये नकद, चार मोबाइल और तस्करी में इस्तेमाल की गई कार जब्त की गई है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर को तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने जबलपुर-नागपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम जोधपुर पड़ाव के पास वाहन चेकिंग के दौरान लाल रंग की ब्रेजा कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक कार मोड़कर भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। कार में राहुल साहू (31), निवासी गोहलपुर और विकास पटेल (30), निवासी कटंगी सवार थे। तलाशी में दोनों के पास से कुल 11 ग्राम स्मैक, 17 हजार 330 रुपये नकद और तीन मोबाइल मिले। पुलिस ने कार भी जब्त कर ली। वही गोहलपुर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने रद्दी चौकी के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे सज्जाद खान (27), निवासी गोटेगांव को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 3.44 ग्राम स्मैक, 270 रुपये और एक मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि वह मोनू चौधरी के साथ स्मैक बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था।

रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस बिक रहे थे पटाखे

जबलपुर, यश भारत। रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर गढ़ा, बेलबाग और लार्डगंज पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चार दुकानदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न प्रकार के पटाखे और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गढ़ा के काजी मोहल्ले में अब्दुल रहमान (36) बिना लाइसेंस पटाखे बेचते मिला। उसके पास से बम, लक्ष्मी बम, अनार, फुलझड़ी, चकरी और रॉकेट सहित विभिन्न प्रकार के पटाखे जब्त किए गए। वहीं अरिहंत बुक डिपो के पास आगम जैन (19) के कब्जे से दो पेटियों में रखे एक हजार पाइप बम बरामद किए गए। इसी तरह बेलबाग पुलिस ने गुरंदी बाजार स्थित छावड़ा अस्पताल तिराहे पर विनय सोनकर (36) की दुकान से माचिस बम के 20 पैकेट जब्त किए।

कार सवारों ने व्यापारी को टक्कर मारकर लूटा
करीब 7 लाख के जेवरात ले उड़े

सिहोरा गौरहा गांव के पास वारदात

जबलपुर, यशभारत। सिहोरा के निकट गौरहा गांव के पास शुक्रवार सुबह कार सवार चार बदमाशों ने एक सोना-चांदी के व्यापारी को निशाना बनाते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने व्यापारी की गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर उसे सड़क पर गिरा दिया और उसके पास रखे करीब 6 से 7 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरगी मोहला निवासी सोना-चांदी के व्यापारी विकास सोनी शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जेवरात लेकर गौरहा गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से कार में सवार होकर आए चार लोगों ने



उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विकास सोनी सड़क पर गिर पड़े। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, कार सवार बदमाश उनके पास मौजूद जेवरात लेकर मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश तेज रफ्तार से कार लेकर भागे। इस दौरान गौरहा गांव के पास उन्होंने एक गाय को भी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाय लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है। दिनदहाड़े व्यापारी को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात लूटे जाने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

बिना लाइसेंस वेंडिंग करने वालों पर आरपीएफ का शिकंजा



जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन परिसर में अनाधिकृत वेंडिंग पर अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में आरपीएफपोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में सतर्कता विभाग, वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफकी संयुक्त टीम ने विशेष जांच अभियान चलाकर बिना वैध प्रमाण पत्र के खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुओं की बिक्री करने वाले वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की। रेलवे स्टेशन पर चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 21 ऐसे व्यक्तियों को पकड़ा गया, जो आवश्यक वैध प्रमाण पत्र के बिना अनाधिकृत रूप से वेंडिंग करते पाए गए। संयुक्त टीम ने सभी के विरुद्ध जन विश्वास अधिनियम एवं रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए 42 हजार रुपए की रसीद काटी।

अनाधिकृत वेंडिंग पर रहेगी नजर- रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसर में बिना अनुमति वेंडिंग से यात्रियों को असुविधा होने के साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं। इसे देखते हुए आरपीएफ ने वाणिज्य एवं सतर्कता विभाग के साथ समन्वय बनाकर अभियान चलाया। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से अनाधिकृत रूप से कारोबार करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही।

कलेक्टर ने की स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा

75 से 80 प्रतिशत पंजीयन वाले गांवों में विशेष कैंप लगाने के निर्देश



जबलपुर, यशभारत। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्पलाइन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना में शत-प्रतिशत पंजीयन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों का चयन किया जाए, जहां 75 से 80 प्रतिशत तक पंजीयन पूरा हो चुका है। इन गांवों में विशेष कैंप लगाकर शेष पंजीयन भी पूरा कराया जाए। उन्होंने एसडीएम को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने तथा पटवारी सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शिकायतों का कराएं वास्तविक निराकरण- कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल फोर्स क्लोज न करें, बल्कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का वास्तविक समाधान कराएं। उन्होंने कहा कि नीतिगत कारणों से जिन शिकायतों का निराकरण संभव नहीं है, उन्हीं मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत बंद कराए जाने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व को लेकर एसपी को ज्ञापन

जबलपुर यश भारत। उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ ने छठ महापर्व पर सुरक्षा, सफाई व चेंजिंग रूम व्यवस्था हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा । इस मौके पर अध्यक्ष कन्दर्प शर्मा, विजय मिश्रा, राकेश रंजन और अनिल गुप्ता आदि प्रतिनिधि मंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ के उपलक्ष्य में संस्कारधानी जबलपुर के विभिन्न घाटों एवं तालाबों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और कहा कि संस्कारधानी में बहुतायत संख्या में उत्तर भारतीय परिवार



निवास करते हैं और आगामी 13 नवम्बर से शुरू होने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व पर गौरीघाट, तिलवाराघाट, माढ़ोताल, हनुमानताल, संजीवनी नगर, देवताल, गुलौआताल, अधारताल, गोकलपुर, रांझी सहित शहर के प्रमुख जलस्रोतों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।अतः सभी प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और समुचित प्रकाश (लाइटिंग) की व्यवस्था के लिए आग्रह किया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि यथा संभव सभी सुविधाओं और व्यवस्थाएं की जायेगी।

जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाला आगे चलकर स्वयं भगवान बन सकता है : मुनि निष्कंप सागर



जबलपुर। यशभारत। शिवनगर जैन मंदिर में मुनि श्री निष्कंप सागर जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में मिलने वाला सुख, समृद्धि, निरोगी काया, दीर्घायु और उच्च कुल में जन्म लेना सब पुण्य का प्रतिफल है। इसी प्रकार साध्वी का जीवन, उच्च कुल में जन्म लेकर पति की आज्ञा का पालन करने वाली स्त्री तथा पिता की आज्ञा से रंचमात्र भी विचलित नहीं होने वाला पुत्र भी पुण्य के फलस्वरूप प्राप्त होते हैं।मुनि श्री ने कहा कि घर से मंदिर भले ही दूर हो, लेकिन वहां जाना है। रास्ते में सांसारिक वासनाओं का जंगल मिले, तब भी उसे पार करना है। यही सच्चे जैन धर्मावलंबी की पहचान है। उन्होंने कहा कि भगवान कौन बनेगा? जो जिन प्रतिमा का निर्माण करवाएगा, वह भी एक दिन भगवान बनने की दिशा में अग्रसर होगा। सम्यक्त्व की प्राप्ति होने पर मनुष्य आज नहीं तो कल भगवान अवश्य बन सकता है। उन्होंने प्रेरक उदाहरण देते हुए कहा कि आराधक से आराध्य और पूजक से पूज्य बनने की क्षमता प्रत्येक मनुष्य में है। जिस प्रकार बीज के भीतर केवल बीज ही नहीं, बल्कि विशाल वृक्ष बनने की संभावना भी छिपी होती है, उसी प्रकार मनुष्य के भीतर केवल मनुष्य ही नहीं, भगवान बनने की संभावना भी विद्यमान है। पूर्व में तीर्थंकर भी हम जैसे ही सामान्य मनुष्य थे, लेकिन उन्होंने संसार का त्याग और तप-साधना करके परम पद प्राप्त किया।मुनि श्री ने कहा कि जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाले श्रद्धालु युगों-युगों तक स्मरण किए जाते हैं। प्रतिमा निर्माण केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और पुण्य संचय का ऐसा माध्यम है, जिसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म, त्याग, संयम और जिन आराधना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

सालाना वेतन वृद्धि 6 फीसदी एवं पूरे सेवाकाल में 5 पदोन्नति मिले

जबलपुर, यशभारत। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के समक्ष रेल कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और सेवा शर्तों में सुधार को लेकर महत्वपूर्ण मांगें रखी गई हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (NFIR) ने कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन 69 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने और 3.833 फिटमेंट फैक्टर लागू करने का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही वर्तमान 3 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि को बढ़ाकर 6 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई गई है। उक्त जानकारी वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा ने दी । वेतन और पदोन्नति में बड़े बदलाव की मांग कर्मचारी संगठन ने वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ न्यूनतम 10 हजार रुपये का वित्तीय लाभ देने तथा पूरे



एनएफआईआर ने वेतन आयोग से रखी मांगें

सेवाकाल में कम से कम पांच पदोन्नतियां अथवा वित्तीय उन्नयन सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा है। महंगाई भत्ता 25 प्रतिशत होने पर उसे मूल वेतन में शामिल करने और रेलवे की जोखिमपूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए अलग वेतन ढांचा बनाने की मांग भी की गई है।पेंशन और भत्तों में सुधार का प्रस्ताव पेंशन के मामले में अंतिम वेतन का 67 प्रतिशत सामान्य पेंशन तथा 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा गया है। पेंशन कम्यूटेशन की वसूली अवधि 15 वर्ष से घटाकर 11 वर्ष करने और बंद किए गए भत्तों को बहाल करने की मांग भी शामिल है। रेलवे कर्मचारियों के आवासों में स्वच्छ पेयजल, नियमित सफाई, सुरक्षा, खेल मैदान और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत उठाई गई है। रनिंग रूम में भोजन और विश्राम की गुणवत्ता सुधारने के साथ लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, ट्रैक मेंटेनर तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग की गई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जबलपुर, यशभारत।

दीपावली के मद्देनजर उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक?टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार चलाये जा रहे जांच अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आधारताल क्षेत्र में मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया और परीक्षण हेतु खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र किये।खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार जांच अभियान के तहत अधारताल स्थित विशन स्वीट्स, बंगाली स्वीट्स, न्यू इंदौर स्वीट्स और कृष्णा डेरी का निरीक्षण किया गया तथा इन प्रतिष्ठानों से मिठाइयों के 10, नमकीन एवं कैडबरी सेलिब्रेशन के 2 सैंपल और दूध मावा के 2 सेंपल लिए गए। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से भी खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच की गई।खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया



मिठाई, नमकीन और खोवा के लिए सेम्पल

कि निरीक्षण के दौरान लिए गये सभी सेम्पल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त में नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाये जाने पर सबंधित विक्रेता के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी की तीन वारदातों में ढाई लाख रुपये पार

जबलपुर,यश भारत। शहर में साइबर ठगी के तीन अलग-अलग मामले सामने आए हैं। घमापुर और अधारताल थाना क्षेत्रों में ठगों ने व्यापारी, फ्लैट विक्रेता और एलएलबी छात्र को निशाना बनाकर कुल 2 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने तीनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घमापुर के लालमाटी निवासी मोबाइल व्यापारी विनोद कुमार (52) को मुंबई की एक टेलीकॉम कंपनी के नाम पर मोबाइल सप्लाई का झांसा दिया गया। आरोपियों ने थोक कारोबार का भरोसा दिलाकर जियो सहित अन्य कंपनियों के मोबाइल का ऑर्डर लिया और फोन-पे के जरिए 80 हजार रुपये एडवांस जमा करा लिए। तीन-चार दिन में माल पहुंचाने का वादा किया गया, लेकिन न मोबाइल मिले और न ही आरोपियों ने फोन उठाया। वहीं अधारताल के आनंद नगर निवासी फ्लैट विक्रेता रसीद खान (39) को फोटो भेजने के बहाने ठगी का शिकार बनाया गया। अज्ञात कॉलर के झांसे में आने के कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर ओटीपी आने लगे और इंडियन बैंक खाते से एक लाख रुपये निकल गए। तीसरी घटना में पटेल नगर सुहागी निवासी एलएलबी छात्र भावेश दरवार (22) का मोबाइल अचानक रीस्टार्ट हो गया। इसके बाद खाते से रकम निकालने की कोशिश के दौरान उन्हें बैलेंस कम होने का संदेश मिला। जांच करने पर कोटक महिंद्रा और स्लाइस बैंक खातों से कुल 70 हजार रुपये अलग-अलग यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर होने का पता चला। पुलिस तीनों मामलों में लेनदेन और मोबाइल नंबरों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।







संपादकीय

कर्ज की गिरफ्त में दम तोड़ती पारिवारिक खुशियां



भोपाल के मालीखेड़ी में कर्ज के बोझ से दबे नरेंद्र साहू द्वारा मां, पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद खुद आत्महत्या कर लेने की घटना महज एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे बदलते सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर करारा तमाचा है। एक व्यक्ति पर हर महीने करीब 40 हजार रुपये ब्याज चुकाने का दबाव था। मकान, कार और बाइक बेचने के बाद भी कर्ज खत्म नहीं हुआ। आर्थिक दबाव के साथ अन्य परिस्थितियां भी इस घटना से जुड़ी बताई जा रही हैं। सवाल यह है कि आखिर कर्ज का बोझ इंसान को किस हद तक तोड़ रहा है और हमारा समाज ऐसी परिस्थितियों को रोकने के लिए क्या कर रहा है?

आज कर्ज लेना जितना आसान हुआ है, उससे निकलना उतना ही कठिन होता जा रहा है। बैंक, फाइनेंस कंपनियां और निजी साहूकार हर जरूरत के लिए ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। बाजार ने भी एक ऐसी संस्कृति विकसित कर दी है, जिसमें जरूरत से ज्यादा इच्छाओं को महत्व दिया जा रहा है। महंगी गाड़ी, बड़ा मकान, ब्रांडेड सामान और भव्य आयोजन सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक बना दिए गए हैं। लोग अपनी आमदनी नहीं, दूसरों की जीवनशैली देखकर खर्च करने लगे हैं। आसान किस्तों का आकर्षण भविष्य की आर्थिक परेशानियों को छिपा देता है। फिर एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लिया जाता है और परिवार ब्याज के ऐसे भंवर में फंस जाता है, जहां उसकी पूरी कमाई दूसरों की जेब में जाने लगती है।

सबसे खतरनाक स्थिति अवैध सूदखोरी की है। ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज देने वाले लोग मजबूरी का फायदा उठाते हैं। वसूली के नाम पर धमकी, अपमान और मानसिक प्रताड़ना व्यक्ति को भीतर तक तोड़ देती है। दूसरी ओर, वित्तीय संस्थानों की ऋण वसूली प्रक्रिया को भी मानवीय और जवाबदेह बनाने की जरूरत है। आर्थिक संकट किसी अपराध का औचित्य नहीं हो सकता, लेकिन संकटग्रस्त व्यक्ति को समय रहते सहायता न मिलना भी व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

अब सरकार को केवल आर्थिक विकास और ऋण वितरण के आंकड़ों से आगे बढ़कर परिवारों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना होगा। अवैध सूदखोरी पर कठोर कार्रवाई, ऋण पुनर्गठन की सरल व्यवस्था, कानूनी सहायता और मानसिक परामर्श केंद्र स्थापित करना समय की मांग है। स्कूलों से ही वित्तीय साक्षरता की शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी कर्ज और बचत का अंतर समझ सके।

समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। आखिर हम आने वाली पीढ़ी को बचत और आत्मनिर्भरता की सीख देंगे या दिखावे के लिए कर्ज लेने की आदत? प्रतिष्ठा का पैमाना महंगी गाड़ी और आलीशान मकान नहीं, बल्कि कर्जमुक्त जीवन और खुशहाल परिवार होना चाहिए। भोपाल की घटना एक भयावह चेतावनी है। कर्ज की समस्या को केवल व्यक्ति की निजी विफलता मानकर छोड़ना घातक होगा। आर्थिक समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी है, जब बाजार की चमक के पीछे परिवारों का अंधेरा न छिपा हो।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
दिन सामान्य रहने वाला है
किसी की मदद करने
से खुशी मिलेगी

वृष
किसी विशेष कार्य को करने में दिन
व्यतीत होगा लोगों की
प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन
खुशनुमा रहने वाला है

कर्क
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं
खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता
का आशीर्वाद
लेकर कार्य करें

कन्या
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं
परिवार के साथ समय
व्यतीत कर सकते हैं

तुला
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों
में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग
प्राणायाम अवश्य करें

धनु
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं
मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर
साझेदारी के काम को सोच समझ कर
आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक
स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन
सामान्य रहने वाला है

धन्वंतरि की दिव्य विरासत और यमदीप की प्राचीन परंपरा

आरोग्य, धन और समृद्धि का पावन पर्व है धनतेरस



प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धनतेरस का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था, जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों, वैद्यों और चिकित्सा जगत से जु? लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य, निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है।

धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है, जिसे 'यम दीपक' अथवा 'यमदीपदान' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया, जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के प्राण लेना है, इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था।

यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछु?कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ट से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न प?े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर प?ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश, ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जो? जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं।

धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से तांबे, पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। अनेक लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और अन्य उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हैं। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आती हैं। कुछ परिवारों में नई झा? खरीदकर उसका पूजन करने की भी परंपरा है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ऐतिहासिक हार का महा झटका!

ट्रंप की वैश्विक साख पर प्रहार! टूटा भ्रम



वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे पुराने लोकतंत्र व विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था या यूँ कहें कि पूरे विश्वपर अनौपचारिक रूप से राज करने वाले अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ ला दिया है। अभी वर्तमान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट,दोनों में बहुमत हासिल कर लिया है। हालांकि अमेरिका के इतिहास में यह कोई पहली बार नहीं हुआ है।पिछले 20 वर्षों में पांच मिडटर्म चुनाव हुए। इन सभी में राष्ट्रपति की पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में सीटें गंवाईं। यह परिणाम केवल विपक्ष की चुनावी सफलता नहीं, बल्कि महंगाई, जीवन- यापन की लागत, ईरान युद्ध और ट्रंप प्रशासन की नीतियों के प्रति मतदाताओं की नाराजगी का संकेत भी है, ऐसा माना जा रहा है कि जिसका पहले से ही अंदेशा भी था? मीडिया के अनुसार, विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत के लिए आवश्यक 218 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया और सीनेट पर भी नियंत्रण हासिल किया।चुनावी गणित-कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स की वापसी करीब करीब सुनिश्चित हो गई है प्रतिनिधि सभा 225 - डेमोक्रेट्स 137 रिपब्लिकन सीटें घोषित बहुमत- 218 / 435 सीनेट 51+, डेमोक्रेटिक गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार,बहुमत- 51/ 100,4 नवंबर को उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार,प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स ने 225 और रिपब्लिकन ने 137 सीटें जीत ली थीं, बस मिनट में 54 सीटें प्राप्त कर ली थी,जबकि शेष सीटों पर मतगणना जारी थी। सीनेट में भी डेमोक्रेट्स नेरिपब्लिकन बहुमत समाप्त कर दिया। कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन सीटों पर डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने सत्ता का संतुलन बदल दिया। अंतिम प्रमाणित सीटों की संख्या राज्यवार मतगणना और प्रमाणन के बाद स्पष्ट होगी। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों की तुलना भारत की संसद से की जा सकती है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा भारत की लोकसभा के समान जनता का प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व करती है। इसकी सभी 435 सीटों पर हर दो वर्ष में चुनाव होता है। अमेरिकी सीनेट भारत की राज्यसभा की तरह एक उच्च सदन है, लेकिन दोनों में महत्वपूर्ण अंतर हैं। अमेरिकी सीनेट में 100 सदस्य होते हैं, प्रत्येक राज्य से दो,और उनका कार्यकाल छह वर्ष होता है।भारत में राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 है, वर्तमान संवैधानिक सीमा के अंतर्गत 245 सदस्य हो सकते हैं, जिनमें 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। राज्यसभा स्थायी सदन है और इसके लगभग एक- तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की हार

कार्यकाल नहीं, राजनीतिक शक्ति पर असर को समझने की करें तो मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति का चुनाव नहीं है। ट्रंप का चार वर्ष का राष्ट्रपति कार्यकाल जनवरी 2029 तक जारी रहेगा। चुनाव में हार से उनका कार्यकाल छोटा नहीं होगा, लेकिन कानून पारित करना, बजट मंजूर कराना और प्रशासनिक नियुक्तियों को आगे बढ़ाना कठिन हो सकता है।डेमोक्रेटिक बहुमत वाली समितियां अब ट्रंप प्रशासन के फैसलों,सरकारी खर्च, आव्रजन नीति, व्यापारिक टैरिफ और युद्ध संबंधी निर्णयों की जांच कर सकती हैं।महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है, लेकिन केवल चुनाव हारने से महाभियोग स्वतः नहीं होता। राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रतिनिधि सभा में महाभियोग और सीनेट में दोषसिद्धि के लिए दो-तिहाई समर्थन आवश्यक है।पिछले 20 वर्षों में2006 2010, 2014, 2018 और 2022 के पांच मिडटर्म चुनाव हुए। इन सभी में राष्ट्रपति की पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में सीटें गंवाईं। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के कार्यकालों में यह राजनीतिक पैटर्न दिखाई दिया। सीनेट में स्थिति अलग रही- 2006 और 2014 में राष्ट्रपति की पार्टी ने नियंत्रण गंवाया, जबकि 2010, 2018 और 2022 में बहुमत बरकरार रखा या मजबूत किया। यह ऐतिहासिक प्रवृत्ति बताती है कि मिडटर्म चुनाव अक्सर राष्ट्रपति के लिए जनमत की सटीकता से परीक्षा होते हैं। साथियों बात अगर हम अब ट्रंप की नीतियों का क्या होगा? इसको समझने की करें तो,डेमोक्रेटिक नियंत्रण से ट्रंप की नीतियों पर संसदीय अंकुश बढ़ेगा, लेकिन उनकी सभी नीतियां स्वतः समाप्त नहीं होंगी।टैरिफ और अमेरिका फर्स्ट- कांग्रेस को विदेशी व्यापार और आयात शुल्क पर संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ कानूनों के अंतर्गत टैरिफ लगाने की शक्तियां भी मिली हैं। डेमोक्रेट्स टैरिफ से जुड़े कानूनों, बजट और प्रशासनिक फैसलों की समीक्षा कर सकते हैं, लेकिन हर टैरिफ को तत्काल समाप्त नहीं कर सकते।आव्रजन और वीजा- भारतीय छात्रों,आईटी पेशेवरों और एच -1बी वीजा धारकों के लिए अधिक निष्पक्ष आव्रजन नीति की संभावना बन सकती है।हालांकि वीजा नियमों मेंबदलाव के लिए प्रशासनिक निर्णय, कानून और संबंधित एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। तत्काल वीजा राहत की गारंटी नहीं है।वेनेजुएला और विदेश नीति- वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसे राजनीतिक बयानों को वास्तविक नीति या संवैधानिक प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। कांग्रेस विदेश नीति, सैन्य खर्च और प्रतिबंधों पर निगरानी बढ़ा सकती है, लेकिन राष्ट्रपति की कूटनीतिक शक्तियां बनी रहेंगी।

साथियों बात अगर हम इस मिड टर्म चुनाव 3 नवंबर 2026 में भारतीय-अमेरिकी और मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को समझने की करें तोमिशिगन में 42 वर्षीय डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद ने रिपब्लिकन माइक रोजर्स को हराकर अमेरिकी सीनेट में पहुंचने वाले पहले मुस्लिम व्यक्ति बनने का इतिहास रचा।उन्होंने स्वास्थ्य सेवा,जीवन-यापन की लागत और राजनीति में कॉरपोरेट धन के प्रभाव को अपने अभियान का केंद्र बनाया। ट्रंप के तीखे हमलों के बावजूद उनकी जीत ने मुस्लिम -अमेरिकी समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नई पहचान दी।हालांकि मुस्लिम और भारतीय- अमेरिकी मतदाताओं ने कितने प्रतिशत वोट देकर चुनाव परिणाम बदल दिया, इसका सटीक राष्ट्रीय आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण कहा जा सकता है,

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

पारिवारिक रिश्तों में जहर घोल रही है डिजिटल सौतन



आज मोबाइल पर रील ओटीटी चैनल पर बढ़ता स्क्रीन टाइम पारिवारिक माहौल में जहर घोलने का काम कर रहा हैं। परिजनों के बीच भी बैठे एक ही परिवार के सदस्यों के बीच वार्तालाप के समय को इस डिजिटल सौतन ने छीन लिया है। डाइनिंग टेबल हो या ड्राइंग रूम सब की मौजूदगी में भी सब अकेले है। यह एक कटु सच्चाई है आपसी रिश्ते मोबाइल और सोशल मीडिया के निशाने पर हैं।

हाल ही में एक ऐसा ही मामला काफी सुर्खियों में आ गया जब एक ही छत के नीचे रहने वाले वरिष्ठ चिकित्सक दंपती के बीच मोबाइल डिजिटल सौतन बन गया है। पति सर्जन और पत्नी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। पति को यूट्यूब पर वीडियो देखने की लत दो वर्ष पहले पड़ी। वह घर आने के बाद पत्नी से बात करने की जगह मोबाइल पर वीडियो देखने लग जाते हैं। इससे पत्नी चिढ़ने लगीं, पति को समझाने का प्रयास किया। लत नहीं छूटी।

आगरा का यह मामला इसी गंभीर स्थिति का एक सटीक और बेहद चौंकाने वाला उदाहरण है। आगरा पुलिस के परिवार परामर्श केंद्र में हाल ही में आया यह केस यह साबित करता है कि मोबाइल एडिक्शन किसी भी वर्ग या पेशे के व्यक्ति को अपना शिकार बना सकता है।

इस पूरे मामले के मुख्य बिंदुओं पर नजर डाल लीजिए। इस मामले में पति एक सर्जन हैं और पत्नी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। दोनों ही उच्च शिक्षित और प्रतिष्ठित पेशेवर हैं।

डॉक्टर पति को पिछले दो साल से यूट्यूब पर वीडियो और रील्स देखने की गंभीर लत लग गई थी। अस्पताल से घर लौटने के बाद वे पत्नी से बात करने के बजाय घंटों मोबाइल स्क्रीन में खोए रहते थे।

पत्नी ने काउंसलिंग के दौरान अपनी नाराजगी और लाचारी जाहिर करते हुए एक बेहद तीखी बात कही। उन्होंने कहा, वीडियो देखने से अच्छा है कि पति नशा या शराब ही पी लिया करें, कम से कम उस बहाने मुझसे बात तो करेंगे। यह बयान दिखाता है कि पार्टनर की डिजिटल अनदेखी किसी को किस हद तक मानसिक रूप से आहत कर सकती है।

आगरा कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और काउंसलर्स के मुताबिक, इस दंपती की दो बार काउंसलिंग की जा चुकी है, जिसके बाद उनके बीच का तनाव और कड़वाहट धीरे-धीरे कम हो रही है।

आगरा पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के आंकड़े बताते हैं कि वहां आने वाले वैवाहिक विवादों के कुल मामलों में से 35 से 40 प्रतिशत मामले केवल मोबाइल स्क्रीन टाइम और डिजिटल एडिक्शन के कारण आ रहे हैं। अब शराब की लत या पारिवारिक हस्तक्षेप से भी बड़ी वजह यह डिजिटल सौतन बनती जा रही है

अकेले में मोबाइल की स्क्रीन देखकर अपने चेहरे के भाव बदलते रहते हैं। यह अकेला मामला नहीं है, पति-पत्नी के बीच मोबाइल डिजिटल सौतन की जगह ले रहा है। घर और परिवार से दूर रहने वालों के बीच दूरियां कम करने वाला मोबाइल एक छत के नीचे रहने वाले पति-पत्नी के बीच अनदेखी डिजिटल दीवार खड़ी कर रहा है।घर में मोबाइल को अधिक समय देना, बार-बार वाट्सएप चेक करना और चैट करना पति-पत्नी के रिश्तों में रार पैदा कर रहा है। परिवार परामर्श केंद्र में वर्तमान में एक हजार से अधिक मामले पहुंचे, जिनमें 35 से 40 प्रतिशत मामले मोबाइल के चलते होने वाली रार के थे। पिछले तीन वर्ष मे इस तरह के मामलों में बढोत्तरी हुई है। इससे पहले पति-पत्नी का एक दूसरे पर किसी और से प्रेम संबंध होने का शक करने के मामले अधिक थे। एक अध्ययन में अमेरिका के 40,337 बच्चों और किशोरों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था। इसमें पाया गया कि 14 से 17 साल के जिन किशोरों ने रोजाना सात घंटे या उससे अधिक स्क्रीन का इस्तेमाल किया उनमें एक घंटे तक स्क्रीन इस्तेमाल करने वालों की तुलना में डिप्रेशन या एंग्जायटी में होने की संभावना दोगुने से ज्यादा थी। लेकिन यह अध्ययन दोनों के बीच संबंध दिखाता है इसमें यह साबित नहीं होता है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का एकमात्र कारण है। फिर भी इस आकड़े के नतीजे से डिजिटल आदतों पर ध्यान देने की जरूरत बढ़ जाती है।

अगर आप अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते है तो इसकी शुरुआत छोटे बदलावों से की जा सकती है। जिसमें खाना खाते समय फोन दूर रखें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत के दौरान नोटिफिकेशन बंद करें और दिन में कुछ समय टहलने, व्यायाम करने या कोई नया शौक सीखने के लिए निकालना शुरू कर दें। वहीं सोने से पहले मोबाइल का इस्तेमाल सीमित करना और बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखना भी उपयोगी हो सकता है। इसमें ध्यान रखें कि काम, पढ़ाई और मनोरंजन के लिए स्क्रीन की जरूरत अलग-अलग होती है इसलिए सभी के लिए एक ही समय-सीमा सही नहीं मानी जाएगी। आखिर में तकनीक को पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं बल्कि उसका समझदारी से इस्तेमाल करना जरूरी है। देखा जाता है कि डिजिटल दुनिया से जुड़े रहने के साथ वास्तविक रिश्तों, शारीरिक गतिविधियों और खुद के लिए समय निकालना मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहतर संतुलन बनाने में मदद कर सकता है।स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। जिसमें पढ़ाई से लेकर ऑफिस के काम और दोस्तों से बातचीत तक कई गतिविधियां स्क्रीन के जरिए होती हैं। वहीं अब तकनीक ने जिंदगी को और भी आसान बना दिया लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल मानसिक और शारीरिक सेहत पर असर डाल सकता है। जिसको देखते हुए सवाल यह है कि क्या हम तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं या धीरे-धीरे उसी पर निर्भर होते जा रहे हैं? यदि जीवन में डिजिटल संसार ने ज्ञान का अपार भंडार खोल दिया है तो दूसरी ओर जीवन में सरलता सहजता और अन्तर्मन की खुशी को कहीं न कहीं प्रभावित किया है। जीवन में बहुत कुछ सीखने पाने हासिल करना उस समय निरर्थक हो जाता है जब भीतर का आह्लाद अनुभव नहीं होता जब पास में मौजूद प्रकृति का सौंदर्य बोध ह्रदय में कोई उमंग नहीं जगाता जब पास मे मौजूद परिजनों से मिलकर बात कर कोई खुशी महसूस नहीं होती जब जीवन के अस्तित्व से जुड़ी अनुभूतियाँ क्षीण होने लगती है। **(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल**

नियमितीकरण और वेतन वृद्धि को लेकर नगर निगम कर्मचारियों का आर-पार का मूड

दिवाली से पहले हड़ताल से शहर की व्यवस्थाएं चरमराने की आशंका





भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल में दीपावली और धनतेरस के ठीक पहले नगर निगम कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा है। नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों और अन्य लंबित मांगों को लेकर बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों और जलकार्य शाखा के कर्मियों ने नगर निगम मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मुख्यालय में तालाबंदी कर कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, फायर ब्रिगेड और सीवेज जैसी जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और उग्र करते हुए पानी की सप्लाई भी ठप कर देंगे।

कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, जिससे उनमें भारी नाराजगी है।

सफाई व्यवस्था पर असर, बाजारों और मोहल्लों में लगे कचरे के ढेर

कर्मचारियों की इस अचानक हड़ताल का सबसे पहला असर शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। घरों से कचरे का उठाव पूरी तरह बंद होने के कारण प्रमुख बाजारों, सड़कों और गली-मोहल्लों में कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। त्योहारी सीजन के इस समय में बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच गंदगी और कचरे के अंबार से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों दोनों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर, जिला प्रशासन और निगम के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। त्योहारी सीजन में आम जनता को पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित न होना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बातचीत के दौर जारी हैं, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या त्योहार से पहले कोई बीच का रास्ता निकल पाता है या संकट और गहराएगा।

बीएचईएल में विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन

भोपाल यश भारत। बीएचईएल भोपाल में 2 से 31 अक्टूबर तक आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन हुआ। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित इस अभियान में टाउनशिप की स्वच्छता सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में टाउनशिप उद्यानिकी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान संचालित किया। इसके तहत पिपलानी स्थित करीब 4.5 एकड़ में फैले गांधी उद्यान के मुख्य द्वार से फव्वारा क्षेत्र तक लगभग 80 हजार वर्गफीट में सफाई और सौंदर्यीकरण किया गया। संपदा भवन स्थित टाउनशिप कार्यालय से एसबीआई एचईटी शाखा तक भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। साथ ही जैविक खाद और जीवामृत के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। कार्यों का जियो टैग्ड तस्वीरों से दस्तावेजीकरण भी किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से स्वच्छ एवं हरित टाउनशिप की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।



बच्चों ने इको-फ्रेंडली और सात्विक दीपावली मनाने का संकल्प लिया

हिरदाराम नगर।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने इको-फ्रेंडली और सात्त्विक दीपावली पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों को पर्व का वास्तविक महत्व बताया गया और पटाखों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन, रंगोली और दीया सजावट जैसी रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा चौथी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका और नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिसके माध्यम से प्रदूषणमुक्त और सुरक्षित त्योहार मनाने का संदेश दिया गया। बच्चों ने मिट्टी के दीप जलाने, ऊर्जा बचाने, पौधों की देखभाल करने और जरूरतमंदों के साथ खुशियाँ बाँटने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राधानाचार्या रेखा केवलानी और उप-प्रधानाचार्या दिव्या कृपलानी ने बच्चों से पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने का आह्वान किया।

हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट

हिरदाराम नगर।



संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट का आयोजन किया गया। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट क्लब द्वारा आयोजित छात्राओं ने विभिन्न पारंपरिक स्टॉल लगाए। हाट बाजार में दीए, सजावटी सामान, हस्तशिल्प और विविध व्यंजनों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन से छात्राओं को सोशल मीडिया प्रमोशन, ब्रांडिंग और व्यावसायिक विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने का व्यावहारिक अनुभव मिला। पारंपरिक सजावट से सजे इस जीवंत मेले में छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर और ग्रुप एडवाइजर पी.एस. राठौर ने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

एम्स भोपाल में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम

भोजन की बर्बादी रोकने की शपथ, मिलेट्स और स्थानीय खाद्य पदार्थों की लगाई प्रदर्शनी

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के आहार विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह 2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों, उनके परिजनों और आम नागरिकों को संतुलित पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा भोजन की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान डीन (एकेडमिक्स) ने उपस्थित लोगों को शून्य खाद्य अपव्यय की शपथ दिलाई। सभी ने भोजन का सम्मान करने और जरूरत के अनुसार ही भोजन लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मिलेट्स (श्रीअन्न) और स्थानीय खाद्य पदार्थों पर आधारित पोषण प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से इनके पोषण संबंधी गुणों और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।



आयोजकों ने बताया कि संतुलित आहार अपनाने के साथ खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना सतत जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के जरिए स्वस्थ खानपान और जिम्मेदार उपभोग का संदेश दिया गया।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण

32.54 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

भोपाल,यश भारत।



उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गुरुवार को सतना प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल भवन तैयार होने से पहले आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और फर्नीचर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार भी मौजूद रहे। पीआईयू की एसडीओ मंदाकिनी गुप्ता ने बताया कि 32.54 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरीय वार्ड, 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक और इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में चौथे तल की छत का कार्य जारी है। परियोजना मई 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

नाम सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजीव ओझा पिता रघुवर दयाल ओझा उम्र 34 वर्ष निवासी मकान नंबर दो वार्ड नंबर 2 जेल रोड सरस्वती स्कूल के पास सरकारी गोदाम रोड सिहोरा यह है एवं 10वीं के अंक सूची में मेरा नाम त्रुटि वर्ष संजीव ओझा पिता रघुवर दयाल ओझा दर्ज हो गया है जबकि मेरे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय की की दस्तावेज मेरा नाम संजीव कुमार ओझा दर्ज है जो की यही सही है है सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आज दिनांक से मेरे सही नाम संजीव कुमार ओझा पिता रघुवर दयाल ओझा के नाम से मुझे पढ़ा लिखा जाना पहचाना जावे एवं आगामी शासकीय दस्तावेजों में भी मेरा नाम संजीव कुमार ओझा दर्ज किया जावे।

शपथकर्ता

पश्चिम मध्य रेल

यांत्रिक शाखा

निविदा सूचना क्र **JBP-M-Tender-33-2026 Dated 04/11/2026, खुली निविदा**

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट एंड ईएनएचएम), मंडल रेल प्रबंधक यांत्रिक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है **निविदा सूचना क्रमांक दिनांक** : JBP-M-Tender-33-2026, Dated 04/11/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जबलपुर मंडल के ET-JBP, NKJ-SGRL और KTE-BINA सेक्शन में 'हॉट एक्सल बॉक्स हॉट व्हील डिटेक्टर' (HAHW) की आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग जिसमें 24 महीने की वारंटी अवधि पूरी होने के बाद 06 वर्षों के लिए CAMC भी शामिल है।, **कार्य का विज्ञापित मूल्य रुपये** : 19331055.00, **बयाना राशी रुपये** : 386600.00, **समापन की अवधि** : 06 माह, **निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय** : 26.11.2026, 15:00 Hrs उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट https:ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। (हस्ता.)

कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्र./2562/विद्युत विभाग/ 2026-27 — कटनी दिनांक 03/11/2026

// चतुर्थ निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/ निर्माताओं/ अधिकृत विक्रेताओं से आन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026-UAD -547838-1	नगरपालिक निगम, कटनी के विभिन्न विद्यालय साधूराम, ए रवीन्द्रराव एवं क. सी.एस. में विद्युतीकरण कार्य।	30 दिवस लागत 8,05,650/-	2000/- 8056/-	13/11/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन आनलाईन https://mptenders.gov.in की बेवसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, कटनी

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी

2549/संपदा शाखा/2026 — कटनी दिनांक 02/11/26

फ्री होल्ड आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि तत्कालीन नगर सुधार न्यास कटनी के आवासीय जन/भूखंड हितग्राहियों को आवंटित किये गये हैं। मप्र अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 के अंतर्गत संपत्तियों को फ्री होल्ड किये जाने के आदेश प्रसारित किये गये हैं। निम्नानुसार भवन/भूखडों को फ्री होल्ड किये जाने हेतु आवेदकों के द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तत किये गये हैं।

अतः आम सूचना की प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर किसी को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साक्ष्य कक्ष क्रमांक 10 में कार्यालयीन दिवस समय में प्रस्तुत कर सकते हैं निर्धारित अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। आवेदनों का विवरण निम्नानुसार है।

क्र	भूखण्ड स्वामी का नाम	योजना क्र	भूखण्ड क्र	वार्ड का नाम
1	श्रीमती सुमन तिवारी/श्री आर पी तिवारी	06	आवासीय भवन क्रमांक ईडब्ल्यूएस 69	सुधार न्यास कालोनी विश्राम बाबा कटनी
2	श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी/श्री राममनोहर तिवारी	06	आवासीय भवन क्रमांक ईडब्ल्यूएस 68	सुधार न्यास कालोनी विश्राम बाबा कटनी
3	श्री प्रकाश नारायण/श्रीफूलचंद दुबे	06	आवासीय भवन क्रमांक ईडब्ल्यूएस 69	सुधार न्यास कालोनी विश्राम बाबा कटनी
4	श्री रजत जैन/श्री मिथलेश जैन	06	आवासीय भू खण्ड क्रमांक 02	सुधार न्यास कालोनी विश्राम बाबा कटनी
5	श्रीमती प्रीति सिंह/श्री संदीप सिंह	14	आवासीय भू खण्ड क्रमांक 38	बाबू वंश स्वरूप वार्ड क्रमांक 29

राजस्व अधिकारी
संपदा शाखा
नगर पालिक निगम कटनी

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी (म0प्र0)

पत्र क्रमाक 4356 / खनिज / 2026 — कटनी, दिनांक 05/11/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

आवेदक मेसर्स खादू श्याम मिनरल्स, पता–डांग रोड रीठी, जिला कटनी (म0प्र0) (नाम एवं पता) के द्वारा उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आवेदन पत्र दिनांक 25 / 08 / 2026 को प्रस्तुत किया गया है। आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 3521, 3523 दिनांक 02.09.2026 से प्रकाशित किये जाने हेतु लेख किया गया था। इस क्षेत्र पर पुनः विज्ञापन प्रकाशित होने से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	रीठी	डांग	1305 / 1 भाग	1.000	शासकीय भूमि	फर्शीपत्थर	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम,1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G-21115/26

उपसंचालक
(खनिज प्रशासन)
जिला कटनी (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग, जिला नरसिंहपुर म. प्र.

प्रारंभिक अधिसूचना

(देखिये धारा 11)

क. 15.9.7./अ.वि.अ./भू-अर्जन/2026 — तेंदूखेड़ा दिनांक 2/11/2026

रा.मा.क. 005/अ-82/2024-25 मौजा ग्राम सूखा डिगसरा नं. व. 454 प.ह.नं. 40 तहसील- तेंदूखेड़ा

चूँकि समुचित सरकार को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग नरसिंहपुर को सूखा डिगसरा से डिगसरा होकर कांशीखेरी मार्ग लंबाई 4.10 कि.मी. के निर्माण हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है।

सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि सूखा डिगसरा से डिगसरा होकर कांशीखेरी मार्ग लंबाई 4.10 कि.मी. के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-4 के तहत कलेक्टर द्वारा सामाजिक समाघात अध्ययन दल का गठन किया गया, जिसके द्वारा सामाजिक समाघात रिपोर्ट एवं प्रबंध योजना तैयार की गई। कलेक्टर द्वारा धारा 7 के तहत सतंत्र बहु-शाखीय विशेषज्ञ समूह के दल का गठन किया गया। विशेषज्ञ समूह द्वारा अंकन रिपोर्ट तैयार की गई एवं धारा 8 के तहत समुचित सरकार का विनिश्चिय प्रकाशित किया गया जिसके अनुसार अधिसूचित की जा रही भूमि के भूमिस्वामियो का विस्थापन नहीं हो रहा है एवं सार्वजनिक लोक प्रयोजन के स्थल अप्रभावित है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना द्वारा जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु निम्नानुसार भूमि का अर्जन किया जाता है :

अनुसूची 1

1. परियोजना का नाम : सूखा डिगसरा से डिगसरा होकर कांशीखेरी मार्ग लंबाई 4.10 कि.मी. के निर्माण हेतु ।
2. भूमि का विवरण:
   1 जिला : नरसिंहपुर 2. तहसील : तेंदूखेड़ा 3. ग्राम : सूखा डिगसरा
   4. प.ह.न. : 40 5. न. बंदोबस्त : 454 6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल : 0.782 हेक्टेयर

अनुसूची - 2

सं क.	भूमि स्वामी का नाम एवं पिता का नाम	खसरा नंबर	कुल रकबा (हे.में.)	अर्जित रकबा (हे. में.)
1	2	3	4	5
1	छोटेलाल पिता उम्मर सिंह किरार पता काशी खेरी	144-145/1	1.210	0.080
2	कुंतीबाई पत्नी चंदन सिंह किरार	147/1/2	1.417	0.050
3	सचीन्द्र पिता नारायण सिंह किरार	147/1/3	1.418	0.050
4	हेमन्त चौधरी पिता हक्के प्रसाद किरार पता सा. देह	147/2	1.018	0.080
5	शरद कुमार पिता हेमराज सिंह किरार पता सा. देह	123/1	1.692	0.113
6	कोमल सिंह पिता गोविन्दी आदिवासी. सा. देह	110/3	0405	0.012
7	राजाराम पिता टीकाराम ब्राम्हणी सा. देह	110/4	0.817	0.020
8	मीरा बाई पति छोटेलाल किरार पता काशीखेरी	111	1.222	0.035
9	मोतीबाई पत्नी तुलसीराम अनंदी त्रिवेणी सम्पत बाई पिता मूलचंद हीराबाई पत्नि टीकमसिंह इन्द्र सिंह सुजानसिंह पिता टीकमसिंह किरार पता इमलिया	115	2.436	0.040
10	चंदन सिंह पिता भगवान सिंह किरार पता काशीखेरी	116/1	0.305	0.010
11	शांतिबाई पत्नि भानुप्रताप किरार पता काशीखेरी	119	1.337	0.040
12	तुलसीराम पिता ओमकार सिंह किरार पता काशीखेरी	121	0.599	0.028
13	चंदन सिंह पिता भगवान सिंह किरार पता काशीखेरी	122/1	0.732	0.072
14	तुलसीराम पिता ओमकार सिंह किरार पता काशीखेरी	122/2	0.733	0.032
15	तुलसीराम पिता ओकार सिंह किरार पता काशीखेरी	148/2	0.202	0.008
16	लेखराम पिता ओकार सिंह किरार पता काशीखेरी	149	1.727	0.020
17	टिकाराम पिता रामगोपाल किरार	146/1-146/2	1.052	0.092
	योग		18.322	0.782

यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 11 (1) उपबंधों के अधीन जारी की गई है।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ भोपाल दिनांक एफ 16-15 (7)-2014-सात-श, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है। उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी (भू-अर्जन शाखा) कलेक्ट्रेट नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है।

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग नरसिंहपुर, और उसके कर्मचारिवृंद को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा-11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिकारी के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नही करेगा या कोई भी सव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात क्रय/विक्रय आदि नही करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लगम सृजित नही करेगा।

अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 (दिनों के भीतर किसी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष (कक्ष क्रमांक-84 भू अर्जन शाखा, नरसिंहपुर) अथवा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तेंदूखेड़ा में आक्षेप यदि कोई हो फाईल किए जा सकेंगे।

भूमि से संबंधित रेखांकन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तेंदूखेड़ा कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

शान् चौधरी
अनुविभागीय अधिकारी
सह भू-अर्जन अधिकारी तेंदूखेड़ा

रजनी सिंह
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

जी-21153/26

न्यायालय अति. तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)

रा0प्र0क्र0/ 4368/3-6/2026-27

जबलपुर, दिनांक 22.10.26

// आम इश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण/वसीयतगृहितागण 1. श्री विशाल चौधरी पिता श्री विजय चंद जैन (चौधरी) निवासी म.नं. 664, एम.आर. 4 रोड, विजय नगर, जबलपुर म.प्र., 2. श्री विवेक चौधरी पिता श्री विजय चंद चौधरी (जैन) निवासी म.नं. 30, सरदार बल्लभ भाई पटेल वार्ड, नया नं. 140, हनुमानताल, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा रिमझा, नं.बं. 397/401, प.ह.नं. 23/79, रा.नि.मं. माढ़ोताल, तहसील अधारताल जिला जबलपुर स्थित मूल खसरा नं. 2/3 का भाग, वर्तमान खसरा नं. 2/3/1, रकवा 0.3905 हे. एवं खसरा नं. 2/3/2, रकवा 0.5545 हे. इस प्रकार दोनों खसरो का कुल रकवा 0.945 हे. भूमि है, जरिये ई-पंजीकृत वसीयतनामा क्रमांक एमपी 182552024 ए 3840979, दिनांक 01/07/2024 के माध्यम से वसीयत की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि वसीयतकर्ता विजय चंद चौधरी पिता स्व. चौधरी नेमीचंद जैन का नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति होतो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक..... ..तक न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल, जबलपुर में स्वंय उपस्थित हो कर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 22/10/26
पेशी दिनांक 11/11/26
अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा0प्र0कं0/46.52/अ-6/2025-26

जबलपुर, दिनांक 22/10/26

// आम इश्तहार //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री सीताराम पिता श्री राजनाथ निवासी म.नं. 54, ग्राम परियट, पिपरिया, ग्राम परियट, पनागर, पोस्ट ऑफिस पनागर, जिला जबलपुर म.प्र. में स्थित भूमि मौजा करमेता न.ब.497 प.ह.नं. 26 रा.नि.मं. महाराजपुर तहसील अधारताल व जिला जबलपुर में स्थित भूमि डाय. ख.नं. 427, 428 नामांतरण पश्चात् ख.नं. 427/1 का रकवा 0.016 हे. भूमि दिनांक..... के माध्यम से है। आवेदकगण के माता श्रीमती लालमुनि शर्मा पति रामनाथ शर्मा का दिनांक 13.09.2022 को एवं पिता रामनाथ शर्मा पिता कमलनाथ शर्मा का दिनांक 18.04.2001 का निधन हो चुका है। भूमि का फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में भूमि पर श्रीमती लालमुनि शर्मा पति राजनाथ शर्मा, निवासी जबलपुर का नाम दर्ज है। श्रीमती लालमुनि शर्मा पति राजनाथ शर्मा के निधन के बाद वारिसान में पुत्र- श्री सीताराम पिता श्री राजनाथ निवासी जबलपुर है। ततसंबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दाबा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 11/11/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांकः 22/10/26
पेशी दिनांकः 11/11/26
अतिरिक्त तहसील अधारताल जबलपुर

बेलखेड़ा हाईवे पर i10 कार का कहर दो घरों के चिराग बुझे

शहपुरा (भिटोनी) यश भारत । दीपावली की खुशियों के बीच शहपुरा से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें दो हंसते खेलते परिवारों के चिराग बुझ दिए लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस इसे एक हादसा नहीं सूची समझी रणनीति और गहरी साजिश के एंगल से दिख रही है चश्मीत गवाहों और सूत्रों के मुताबिक सड़क किनारे एक पुलिया के पास कुछ युवक और युक्तियां खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे त्यौहार का माहौल था सब कुछ सामान चल रहा था लेकिन तभी जबलपुर की तरफ से तेज रफ्तार से ह्व10 कार ने इन युवाओं को जोरदार टक्कर मारी टक्कर इतनी भीषण थी कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया हादसे को अंजाम देने वाली कर नंबर एमपी 20 ष्ट्श्व



8644 बताया जा रहा है इस दर्दनाक हादसे म में जान गवने वालों की पहचान हो चुकी है मृतकों में म प्रशांत लोधी निवासी उड़ना सड़क थाना पाटन जागृति मेलोनिया गुब्बारा कला थाना बेलखेड़ा बताया जा रहा है त्योहार सीजन में इन दोनों की मौत की खबर सुनते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर हादसे की विवेचना प्रारंभ कर दी है दोनों मृतकों के परिवार वाले आरोप लगाकर सोची समझी रणनीति बता रहे हैं ऐसा इसलिए क्योंकि वादा की वक्त कर की नंबर प्लेट पर जानबूझकर मिट्टी पोती गई थी ताकि गाड़ी की पहचान छुपाई जा सके इसके साथ ही आपस में जुड़े कुछ लोग रिश्तेदार बताए जा रहे हैं जिससे रंजिश की बु रही है वारदात के तुरंत बाद आरोपी का अचानक मौके से फरार हो गया सूचना मिलती है बेलखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर दिया है वहीं दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए नटवारा शहपुरा स्थित मर्चरी में भेजा गया जहां शाम उनका पोस्टमार्टम किया गया नटवारा गांव दोनों परिवार के लोग जानकारी लगते पहुंच गए हालांकि है पूरा मामला क्या है पुलिस की जांच के बाद ही सामने आएगा पुलिस हर एक पहलू और साजिश कंगाल को कंगाल रही है।





कुंडम ग्राम पंचायत की बदहाली पर भड़के ग्रामीण

, गलियों में भरा पानी; जिम्मेदारों की अनदेखी से बढ़ा आक्रोश

कुंडम, यशभारत। कुंडम जनपद तिराहा के पास सेंट्रल बैंक के सामने सरपंच श्रीमती अर्चना साहू एवं सरपंच राजकुमार साहू जो की ग्राम पंचायत कुंडम के सभी निर्माण कार्य जिम्मेदारी से कर रहे हैं मगर दीपावली त्यौहार में नगर के सेंट्रल बैंक के सामने इतना पानी बह रहा है कि जैसे बारिश हो गई हो यहां पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोज निकलते हैं एसडीएम कुंडम रोज निकलते हैं विधायक भी निकलते हैं नेता भी मगर किसी का ध्यान कुंडम नगर की ओर नहीं जा रहा है जिससे नगर के नागरिकों में आक्रोश देखा जा रहा है जगह-जगह गंदगी नालियों में भरा है पानी 10 दिन में एक दिन मिल रहा है पीने का पानी नल चालू होते ही मैं रोड में 100-200 परिवार के पीने का पानी बर्बाद हो रहा है ग्राम पंचायत कुंडम की सारी सुविधाएं चौपट हो चुकी हैं और यहां पर प्रशासनिक अधिकारी सहित नेता ग्राम पंचायत सरपंच का आज तक कोई बाल बांका नहीं कर पाया जिससे कुडम ग्राम पंचायत की दुर्दशा आज देखने को मिल रही है की बारिश भी नहीं हुई और पूरे गांव में गलियों में पानी ही पानी देखा जा रहा है जिससे ग्राम की महिलाओं का निकलना दुबर हो गया है और सरपंच राजकुमार साहू करोड़ो के निर्माण कार्यों में व्यस्त है सचिव भी नदारत है जिससे कुडम ग्राम पंचायत की दुर्दशा आज देखने को मिल रही है।

मगरहा पुल केपास सड़क किनारे मिट्टी धंसने से हुआ गहरा गद्ढा, हादसे का खतरा

जबलपुर-कटंगी मार्ग पर बेलखाडू के पास बनी स्थिति, वाहन चालकों और राहगीरों को हो रही परेशानी; जिम्मेदार विभाग की अनदेखी से बढ़ सकता है खतरा

बेलखाड। जबलपुर कटंगी मार्ग पर बेलखाडू के मगरहा पुल के पास सड़क किनारे मिट्टी धंस जाने से गहरा गड्ढा बन गया हैइसके चलते यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों एवं पैदल राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। पुल के किनारे बनी साइड पट्टी के पास मिट्टी धंसने से सड़क का किनारा कमजोर हो गया है और नीचे गहरा गड्ढा दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क किनारे बने इस गड्ढे के कारण कभी भी हादसा हो सकता है। खासकर रात के समय अंधेरे में यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को गड्ढा दिखाई नहीं देने पर दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता हैवहीं, पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी यह स्थान जोखिम भरा



बना हुआ है।
लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढे की मरम्मत नहीं कराई गई तो मिट्टी और धंसने से स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि गड्ढे में तत्काल मिट्टी भरकर उचित मरम्मत कराई जाए तथा सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

गोसलपुर थाना में फटाका व्यापारियों की बैठक संपन्न

गोसलपुर। .दीपावली पर्व को देखते हुए गोसलपुर पुलिस थाना परिसर में फटाका व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में प्रशासन ने व्यापारियों को सुरक्षा और नियमों को लेकर कड़े निर्देश दिए बैठक में तहसीलदार राजेश मिश्रा ने सभी फटाका व्यापारियों को सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए उन्होंने कहा की दुकानों में अग्निशमन यंत्र, रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखें साथ ही भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतिशबाजी न बेचने और लाइसेंस की शर्तों का पूरी तरह पालन करने को कहावहीं थाना प्रभारी श्रीमती भावना तिवारी ने व्यापारियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन से अवगत कराया उन्होंने बताया की बिना लाइसेंस के फटाका बेचने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी उन्होंने यह भी कहा की नाबालिग बच्चों को फटाका न बेचा जाए और सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित फटाकों की बिक्री न की जाए निर्धारित समय के बाद फटाका बिक्री बंद रखी जाए और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाएबैठक में सभी व्यापारियों ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया इस दौरान गोसलपुर बुढागर नगर के फटाका व्यापारी उपस्थित रहे।

विद्यालय में दीप सज्जा एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

बेलखाडू। कटंगी मार्ग नगना तिराहे के राइजिंग सरयू एकेडमी में दीप सज्जा प्रतियोगिता एवं रंगोली निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।दीप सज्जा प्रतियोगिता के तहत बच्चों ने मिट्टी के दीयों को आकर्षक ढंग से सजाया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों का उपयोग कर सुंदर एवं मनमोहक रंगोलियां बनाईं बच्चों ने सजावटी पत्थरों, स्टेंसिल और रंगों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा एवं कल्पनाशीलता को प्रदर्शित किया।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या रमा मिश्रा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों में कला के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिलापूरा विद्यालय परिसर बच्चों की उमंग, उत्साह और रंग-बिरंगी कलाकृतियों से सराबोर नजर आया।

























न पीवी सिंधु, न साइना नेहवाल, तन्वी पत्री ने रचा इतिहास, यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं



नई दिल्ली,यशभारत। भारत की 15 वर्षीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। ओडिशा की इस होनहार शटलर ने डकार में आयोजित यूथ ओलंपिक गेम्स के बैडमिंटन फाइनल में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक के बैडमिंटन मुकाबले में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। खास बात यह है कि जिस मुकाम तक पीवी सिंधु और साइना नेहवाल जैसी दिग्गज भारतीय खिलाड़ी भी नहीं पहुंच सकीं, वहां तन्वी ने कम उम्र में अपनी प्रतिभा और जुझारूपन से इतिहास बना दिया।

गुरुवार को खेले गए फाइनल में तन्वी का सामना चीन की झांग यी शिन से हुआ। तीन गेम तक चले इस रोमांचक मुकाबले में तन्वी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-15 से जीत लिया। हालांकि दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला।

तीसरे गेम में एक समय तन्वी 10-19 से पिछड़ रही थीं और चीनी खिलाड़ी की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। लेकिन तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक हासिल करते हुए मुकाबले में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाकर मैच को बेहद रोमांचक बना दिया। इतना ही नहीं, तन्वी ने तीन गोल्ड मेडल पॉइंट भी हासिल किए, लेकिन उन्हें जीत में तब्दील नहीं कर सकीं। आखिरकार झांग यी शिन ने 26-24 से तीसरा गेम जीतकर 15-21, 21-13, 26-24 के अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह तन्वी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल तक शानदार रहा सफर

तन्वी का यूथ ओलंपिक तक का सफर भी शानदार रहा। ग्रुप चरण में उन्होंने मेक्सिको की सारा गोंजालेज और ऑस्ट्रेलिया की स्मृति अडेपू को सीधे गेमों में हराया। इसके बाद दक्षिण कोरिया की जिओंग यू चांग को शिकस्त देकर नॉकआउट दौर में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की कुंगकाउ काकानिक को 21-17, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह यूथ ओलंपिक बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।सेमीफाइनल में तन्वी के सामने जापान की युजुनो वातानाबे की चुनौती थी। करीब 54 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने धैर्य और आक्रामक खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 21-14, 21-11, 21-19 से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।महज 15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह का प्रदर्शन तन्वी की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मजबूत इच्छाशक्ति को दर्शाता है। भले ही वह स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं, लेकिन उनका रजत पदक भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

आईपीएल में रिटेंशन पर 40 करोड़ की मांग

टूट सकता है ऋषभ पंत का 27 करोड़ का रिकॉर्ड

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी और दिग्गज खिलाड़ियों के बीच रिटेंशन को लेकर खींचतान तेज हो गई है। कुछ शीर्ष खिलाड़ियों ने अपनी टीमों के सामने रिटेन होने के लिए 40 करोड़ रुपए तक की मांग रखकर फ्रेंचाइजी की चिंता बढ़ा दी है। यदि किसी टीम ने इस मांग को स्वीकार कर लिया तो आईपीएल इतिहास में खिलाड़ी को मिलने वाली सबसे बड़ी रकम का नया रिकॉर्ड बन जाएगा। फिलहाल यह रिकॉर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के नाम है, जिन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। ऐसे में 40 करोड़ रुपए की मांग मौजूदा रिकॉर्ड से सीधे 13 करोड़ रुपए अधिक है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ बड़े खिलाड़ियों ने अपनी रिटेंशन फीस को लेकर फ्रेंचाइजी को स्पष्ट संकेत दिए हैं। हालांकि, इन खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। माना जा रहा है कि जिन खिलाड़ियों को अपनी लोकप्रियता, प्रदर्शन और बाजार में मांग के आधार पर बड़ी बोली मिलने की उम्मीद है, वे रिटेंशन के बजाय अपनी कीमत को लेकर टीमों पर दबाव बना सकते हैं। यदि फ्रेंचाइजी उनकी मांग मानती हैं तो टीमों के बजट और अन्य खिलाड़ियों को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर भी असर पड़ सकता है।

मेगा ऑक्शन से पहले कीमत बढ़ाने का मौका

आईपीएल 2027 का मिनी ऑक्शन मौजूदा नीलामी चक्र का आखिरी मिनी ऑक्शन होगा। इसके बाद आईपीएल 2028 से पहले मेगा ऑक्शन आयोजित किया जाना है। ऐसे में खिलाड़ियों के पास अपनी बाजार कीमत बढ़ाने और फ्रेंचाइजी के सामने बेहतर आर्थिक शर्तें रखने का यह अहम मौका माना जा रहा है। मिनी ऑक्शन में टीमों को सीमित खिलाड़ियों की जरूरत होती है, जबकि मेगा ऑक्शन में उन्हें अपनी टीम का बड़ा हिस्सा नए सिरे से तैयार करना पड़ता है। यही वजह है कि कई बड़े खिलाड़ी इस समय अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में जुटे हैं।



120 करोड़ से बढ़कर 150 करोड़ हो सकता है पर्स

फिलहाल प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों की खरीद के लिए 120 करोड़ रुपए का पर्स उपलब्ध है। रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल 2028 के मेगा ऑक्शन से पहले इसे बढ़ाकर करीब 150 करोड़ रुपए किया जा सकता है। ऐसा होने पर टीमों को खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए अतिरिक्त 30 करोड़ रुपए मिलेंगे। हालांकि, खिलाड़ियों की बढ़ती मांग के बीच फ्रेंचाइजी को अपने बजट का संतुलन बनाए रखना भी बड़ी चुनौती होगी।

17 नवंबर तक देनी होगी रिटेंशन सूची

आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी को अपने रिटेन और रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। इसके लिए समयसीमा 15 नवंबर से बढ़ाकर 17 नवंबर कर दी गई है। वहीं, खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित की जाएगी। रिटेंशन सूची जारी होने के बाद आईपीएल की ओर से पंजीकृत खिलाड़ियों का पूल फ्रेंचाइजी को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद टीमें अपनी जरूरत के मुताबिक खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करेंगी।

पंत समेत बड़े खिलाड़ियों के ट्रेड से बढ़ी हलचल

मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों के ट्रेड ने भी आईपीएल का बाजार गर्म कर दिया है। दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स से वापस अपनी टीम में शामिल किया है। इस ट्रेड में बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ की टीम में पहुंचे हैं।

इसके अलावा दिल्ली ने तेज गेंदबाज टी नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ट्रेड किया है, जिसके बदले उसे लेग स्पिनर जीशान अंसारी मिले हैं। अब सबकी निगाहें 17 नवंबर को जारी होने वाली रिटेंशन सूची पर टिकी हैं। इससे साफ होगा कि कौन से बड़े खिलाड़ी अपनी पुरानी टीमों के साथ बने रहेंगे और किन खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला नीलामी में होगा।

केवीएस-1 एसटीसी और लियोनार्ड सेमीफाइनल में

जबलपुर। यशभारत। जिला फुटबॉल संघ जबलपुर के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड सदर में आयोजित इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में केवीएस-1 एसटीसी और लियोनार्ड स्कूल ने शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों ही टीमों ने एकतरफा मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को करारी शिकस्त दी।



प्रतियोगिता का पहला मुकाबला केवीएस-1 एसटीसी और स्मॉल वंडर स्कूल के बीच खेला गया। मैच प्रारंभ होने से पहले मुख्य अतिथि जबलपुर के अध्यक्ष श्री रिंकू ब्रिज का खिलाड़ियों से परिचय कराया गया। इस अवसर पर डॉ. आलोक चंसौरिया भी उपस्थित रहे। मुकाबले की शुरुआत से ही केवीएस-1 एसटीसी के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और लगातार गोल करने के प्रयास किए। टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल दागकर बढ़त बनाई। इसके बाद 23वें मिनट में दूसरा, 30वें मिनट में तीसरा और 34वें मिनट में चौथा गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 4-0 कर दिया। मध्यांतर के बाद स्मॉल वंडर स्कूल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन केवीएस के मजबूत खेल के सामने उसकी एक न चली। केवीएस-1 एसटीसी ने 40वें, 45वें, 47वें, 50वें और 60वें मिनट में पांच और गोल दागे। इस तरह टीम ने 9-0 के बड़े अंतर से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

दिन का दूसरा मुकाबला लियोनार्ड स्कूल और बिट्स स्कूल के बीच खेला गया। दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। लियोनार्ड स्कूल ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए 12वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद 15वें और 18वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर बढ़त मजबूत कर ली। बिट्स स्कूल के खिलाड़ी रक्षात्मक खेल में उलझे रहे। लियोनार्ड स्कूल ने 20वें मिनट में चौथा, 25वें मिनट में पांचवां, 30वें मिनट में छठा और 33वें मिनट में सातवां गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 7-0 कर दिया। मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने गोल करने के प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम सफलता हासिल नहीं कर सकी। अंततः लियोनार्ड स्कूल ने 7-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

नेशनल मेडलिस्ट वूशु खिलाड़ियों और कोच का सम्मान,तान्या जाटव को एसएसबी में मिली सरकारी

जबलपुर। यशभारत। चेन्नई में आयोजित 25वीं जूनियर नेशनल वूशु चैंपियनशिप में पदक जीतकर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का जबलपुर लौटने पर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। रानीताल स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वूशु अकादमी में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ अंतरराष्ट्रीय वूशु कोच मनोज गुप्ता का भी सम्मान किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने पदक विजेताओं का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनकी उपलब्धियों पर खुशी जताई।चेन्नई में 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक आयोजित प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले वीर सिंह राजपूत, प्रियांशी चौहान और नंदिनी पटेल को सम्मानित किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण अंतरराष्ट्रीय वूशु खिलाड़ी तान्या जाटव रहीं, जिन्हें सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में खेल कोटे से शासकीय नौकरी मिलने पर सम्मानित किया गया। रानीताल वूशु अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली तान्या आगामी 1 दिसंबर से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित एसएसबी में अपनी सेवाएं प्रारंभ करेंगी समारोह में मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष जयदीप प्रसाद (आईपीएस), डॉ. जितेंद्र जामदार, नितिन भाटिया, डॉ. मुकेश जायसवाल, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप परिहार, योगेंद्र तिवारी और मुकेश नवेरिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पदक विजेता खिलाड़ियों, कोच मनोज गुप्ता और तान्या जाटव को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



रंग संसार



सिल्वर स्क्रीन पर कई हीरोइनों के साथ रोमांस कर चुके हैं शाहरुख खान

मुंबई (यशभारत)। अपने दशकों लंबे करियर में सुपरस्टार शाहरुख खान ने सिल्वर स्क्रीन पर कई हीरोइनों के साथ रोमांस किया है। चाहे काजोल हो या दीपिका पादुकोण, शाहरुख के साथ हर हीरोइन की जोड़ी ने सिनेमाप्रेमियों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पर दर्शक आज तक बेशुमार प्यार लुटाते हैं। शाहरुख खान आज 61 साल के हो चुके हैं। उनके जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर, आइए एक नजर डालते हैं शाहरुख खान की उन सात यादगार ऑनस्क्रीन जोड़ियों पर, जिन्होंने अलग-अलग दशकों में बड़े पर्दे पर प्यार की अनोखी दास्तां रची है और दर्शकों का दिल जीता है। बॉलीवुड में शायद ही कोई ऐसी ऑनस्क्रीन जोड़ी हो, जिसने शाहरुख और काजोल जैसा जादू बिखेरा हो। 1993 में बाजीगर से शुरू हुआ यह सफर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों तक पहुंचा। पर्दे पर उनका नोक-झोंक भरा अंदाज, गहरे इमोशनल सीन और सुरीले गानों ने दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया।

साल 2015 में आई फिल्म दिलवाले में जब दोनों दोबारा साथ आए, तो पुरानी यादें फिर से ताजा हो गईं। शाहरुख खान और जूही चावला की जोड़ी जब भी बड़े पर्दे पर आई, एक अलग ही ताजगी और मिठास लेकर आई। यश बॉस, डुप्लीकेट और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी जैसी फिल्मों में उनकी कमाल की कॉमिक टाइमिंग और सहज रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली।

मैं बिकिनी पहनूंगी, किसी के बाप का क्या जा रहा है- सोनारिका

मुंबई (यशभारत)। मशहूर टीवी एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया द्वारा सालों पहले बिकिनी में अपनी तस्वीरें साझा करने पर भयंकर ट्रोलिंग का शिकार होने के बाद अब इस पूरे विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने ट्रोलर्स को बेहद सख्त लहजे में जवाब दिया है। देवों के देवज्महादेव में मां पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सोनारिका ने साफ कहा है कि उन्हें अपनी पसंद के कपड़े पहनने के लिए किसी को सफाई देने की जरूरत नहीं है। सोनारिका ने बेबाक अंदाज में कहा, मैं बिकिनी पहनूंगी। किसी के बाप का क्या जा रहा है। यह पूरा मामला साल 2016 का है, जब सोनारिका मॉरीशस वेकेशन पर गई थीं और वहां से उन्होंने बिकिनी में कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इन तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जाने लगा। लोगों ने उनके लिए संस्कारहीन और बेशर्म जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, और कई यूजर्स ने अश्लील और भद्दे कमेंट भी किए थे। एक्ट्रेस ने बताया कि जब यह ट्रोलिंग हुई, तब देवों के देवज्महादेव शो खत्म हो चुका था। इसके बाद भी वह कई सीरियल में काम कर चुकी थीं, लेकिन लोग उनका इंटरव्यू सिर्फ इस सवाल के लिए लेना चाहते थे कि पार्वती का रोल करने वाली एक्ट्रेस बिकिनी कैसे पहन सकती है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंची सोनारिका ने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह आज भी बिकिनी पहनने से पीछे नहीं हटेंगी, और उन्हें यह सफाई क्यों देनी चाहिए कि उनके पति या पिता को उनके कपड़ों से कोई परेशानी नहीं है। एक्ट्रेस के अनुसार, असल बात यह है कि उन्हें खुद बिकिनी पहनने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने इस सोच पर सवाल उठाया कि किसी शो में किरदार निभाने का मतलब यह नहीं है कि असल जिंदगी में भी इंसान को वैसा ही रहना होगा। सोनारिका ने अपनी बात समझाते हुए कहा कि अगर कोई पानी में जा रहा है तो वह बिकिनी ही पहनेगा, पानी में सूट पहनकर तो नहीं जा सकती।







गाना तू मिल जाए की शूटिंग के दौरान गर्भवती थी दीपिका

मुंबई (यशभारत)। आगामी फिल्म किंग का पहला गाना तू मिल जाए रिलीज कर दिया गया है। शाहरुख खान के जन्मदिन के अवसर पर जारी किये गए इस गाने में शाहरुख और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक केमिस्ट्री दर्शकों का दिल जीत रही है। दोनों विदेशी लोकेशन पर एक-दूसरे की बाहों में बाहें डाले डांस करते नजर आ रहे हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री दीपिका पादुकोण पाँच महीने की गर्भवती थीं। साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्मों पठान और जवान में शाहरुख और दीपिका की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। अब तीन साल बाद यह सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। किंग फिल्म के पहले गाने तू मिल जाए में दीपिका और शाहरुख का रोमांटिक अंदाज इस फेस्टिव सीजन को और खास बना रहा है। दीपिका ने गाने में कई अलग-अलग लुक अपनाए हैं, और उनके हर अंदाज़ को सराहना मिल रही है। यह जानकर सभी हैरान हैं कि इस गाने की शूटिंग के दौरान दीपिका अपनी दूसरी बेटी देवी के साथ पाँच महीने की गर्भवती थीं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर दुनिया के सामने आने के कुछ समय बाद ही शाहरुख के साथ गाने की शूटिंग के लिए केपटाउन का रुख किया था। अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने पूरी लगन और व्यावसायिकता के साथ गाने की शूटिंग जारी रखी। उन्होंने अपने काम के प्रति समर्पण का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया.

रामायण की वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग का आंकड़ा 75 करोड़ के पार

मुंबई (यशभारत)। अपकमिंग फिल्म रामायण ने अपनी रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाना शुरू कर दिया है। नितेश तिवारी निर्देशित इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग का आंकड़ा 75 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। भारत में भी फिल्म के टिकटों की धड़ाधड़ बिक्री हो रही है, और यह 5 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने से पहले ही हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। रामायण की रिलीज डेट जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे इसकी एडवांस बुकिंग ने रफ्तार पकड़ ली है। भारत में टिकट बिक्री में भारी उछाल आया है, और विदेश में भी फिल्म लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। दशहरे पर वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए रामायण की एडवांस बुकिंग 15 दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। शुरुआती दस दिनों तक मुख्य रूप से हिंदी वर्जन के शो ही उपलब्ध थे, लेकिन अब पूरे देश में नए सिनेमाघरों में प्री-सेल्स तेजी से शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह तक फिल्म के लिए स्क्रीन्स की संख्या बढ़कर 3,500 हो गई है, जिसमें से पिछले दो दिनों में ही 1,000 स्क्रीन्स जोड़ी गई हैं। रिलीज से तीन दिन पहले तक रामायण ने भारत में एडवांस बुकिंग से 37 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन कर लिया है। इसमें से पहले दिन के लिए 22 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जबकि बाकी रकम एक्सटेंडेड वीकेंड में बंटी हुई है। पूरे भारत में रामायण के अब तक करीब 9 लाख टिकट एडवांस में बिक चुके हैं। हिंदी बेल्ट में फिल्म की मांग सबसे ज्यादा है, जबकि कन्नड़ और तेलुगु वर्जन्स ने भी क्रमशः 4 करोड़ और 2 करोड़ से अधिक के टिकट बेचे हैं। विदेशों में भी रामायण को लेकर जबरदस्त माहौल है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले, 4 नवंबर को पेड प्रिव्यू रखे गए हैं। सोमवार सुबह तक फिल्म ने ओवरसीज मार्केट से एडवांस बुकिंग में 3.9 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़) की कमाई कर ली है, जिसमें अकेले अमेरिका के पेड प्रिव्यू से आया 1.5 मिलियन से अधिक का कलेक्शन शामिल है। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म दो पार्ट में लाई जा रही है। इसका पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगा।



परशुराम कुंड में मिला लापता किशोर का शव, डूबने से मौत की आशंका

जबलपुर,यशभारत। रांझी थाना क्षेत्र



निवासी एक किशोर का शव देर रात परशुराम कुंड से बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। किशोर विगत 4 नवंबर से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी, जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। सीएसपी सतीश साहू के अनुसार अनुराग कोल उर्फ विक्की (किशोर) 4 नवंबर से लापता था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। इसी दौरान देर रात परशुराम कुंड में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर मृतक की पहचान अनुराग के रूप में की। प्रारंभिक जांच में किशोर की मौत कुंड में डूबने से होने की आशंका जताई जा रही है।

डॉ ईशा माहेश्वरी को डॉक्टर ऑफ फिलासफी की उपाधि

जबलपुर, यशभारत।

रादुविवि, जबलपुर द्वारा डॉ. ईशा



माहेश्वरी को पॉलिटिकल साइंस विषय में डॉक्टर ऑफ फ्लॉसफी की उपाधि प्रदान की है । उन्हें यह उपाधि उनके शोध प्रबंध "Role of District Administration in the Conduct of Madhya Pradesh Assembly Election w®wx A Study of Jabalpur District" पर प्रदान की गई है। डॉ. ईशा माहेश्वरी ने अपना यह शोध विश्वविद्यालय के डीन एवं विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विवेक मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया। वर्तमान में डॉ. ईशा माहेश्वरी माता गुजरी महिला महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापिका के पद पर अपनी सेवाएँ दे रही हैं। वे श्रीमती ज्योति एवं राजवर्धन माहेश्वरी (एआईजी, सीआईडी, जबलपुर) की सुपुत्री तथा एडवोकेट वेदांत माहेश्वरी की बहन हैं। उनकी इस उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि पर परिजनों, सहयोगियों एवं विश्वविद्यालय परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

Project by RBM DEVELOPERS

SHANKARY
Elevate Your Living

SAME VISION REAL PROGRESS

COMMITMENTS THAT ARE
SHAPING UP TO PERFECTION













ON TRACK FOR COMPLETION
AHEAD OF SCHEDULE

ONLY FEW PLOTS LEFT

Shankary, Near Hotel Royal Orbit, Gram Narayanpur, Tilwara Road, Jabalpur
6261778600, 8319887583

SS

MAKE THIS
DHANTERAS
MORE PROSPEROUS WITH SUZUKI

SUZUKI

SUZUKI TYOHAAR KA UPHAAR
Buy a Suzuki 2-Wheeler
Get a Chance to Win Big



BUMPER PRIZE
MARUTI SUZUKI DZIRE



MEGA PRIZE
10
e-ACCESS

250 SUZUKI VOUCHERS WORTH ₹5000





LOAN UP TO 100%* | NO HYPOTHECATION* | LOW ROI @5.99%**

FOLLOW US ON

KHATWANI SUZUKI

NAPIER TOWN 9893590390 | WRIGHT TOWN 9893590391 | TRIPURI CHOWK 9893590392 | KRISHI UPAJ MANDI 9893590393
KATNI 9171113350 | SHAHDOL 6262070777 | MANDLA 7566371112 | LAKHNADON 9171113357

SS ADVT.

Shubh
Dipawali

Approved by
TNCP, RERA & Nagar Nigam
RERA No. P-JBP-26-6215

Gulshan
GREEN VILLAS

Developed by :
Vijan Projects
Land owners : Apteryx Greens LLP
Plotted development project

Jabalpur's
Masterpiece

@
NEAR
VIJAY NAGAR

OPEN FOR BOOKINGS



Images are Artist's impression only. Actuals may vary
* Terms and conditions apply

265+ PLOTS
Plots ranging between 1500 sq ft to 4000 sq ft
No EWS & LIG plots

Approx 20 ACRES OF LUSH GREENERY
Plotting project for G+2 Villa Community

Project Approved by
All Prominent Banks
Indian Bank | LIC HFL | pnb Housing | HDFC BANK | Bank of India | SBI | AXIS BANK | Union Bank | Bank of Maharashtra | pnb | Bank of Baroda | Canara Bank

Connect with us : gulshan.green.villas | Gulshan Green Villas

CONTACT US
+91 6232129039, 9109518508, 9109178972, 9111333274, 8871669615, 9109112334, 9109178995

HEAD OFFICE
VIJAN MAHAL
Tilhari, Mandla Road.
Jabalpur

SITE ADDRESS
Near JDA Scheme no. 41,
Village-Raksha,
Vijay Nagar Ext. Jabalpur

Location QR

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)